IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 2, August 2025 Impact Factor: 7.67

cLrh uxjikfydk dh tula[;k xR;kRedrk ,oa forj.k çfr:i % ,d HkkSxksfyd v/;;u

lat; dqekj flag

'kks/k Nk=] lgk;d vkpk;Z

भूगोल विभाग, शिवहर्ष किसान पी. जी. कॉलेज, बस्ती, उ. प्र.

M,- jksfgr flag

'kks/k funsZ'kd] lgk;d vkpk;Z

भूगोल विभाग, शिवहर्ष किसान पी0जी0 कॉलेज, बस्ती, उ. प्र.

sanjai274402@gmail.com and rohit.singhbhu1989@gmail.com

lkjka'k &

भारत की नगरीय क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि एवं उसका वितरण स्वरूप एक महत्वपूर्ण विषय वस्तु बनता जा रहा है । हाल के वर्षों में रोजगार की तलाश एवं जीवन स्तर को ऊंचा करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र से नगरीय क्षेत्र की ओर जनसंख्या का तीव्र पलायन हो रहा है, परंतु विगत पांच दशकों में नगरीय क्षेत्रों में विशेष रूप से द्वितीय श्रेणी के नगरों की जनसंख्या का विकास अति तीव्र गति से हुआ है, परंतु इसके विपरीत इन नगरों में आधारभूत अवस्थापना तत्वों का विकास जनसंख्या विकास के अनुरूप नहीं हो पा रहा है, जिसके फलस्वरुप नगरीय क्षेत्र के आबादी वाले क्षेत्र मलिन बस्तियों के समान दृष्टिगोचर हो रही है, जो न सिर्फ वहां पर रहने वाले लोगों की जीवन स्तर को प्रभावित कर रहा है अपितु स्थानीय प्रशासन के लिए भी एक महत्वपूर्ण चुनौती उभर कर सामने आ रही है ।

प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के एक पिछड़े क्षेत्र के अंतर्गत उभर रही बस्ती नगरपालिका की जनसंख्या गत्यात्मकता एवं जनसंख्या वितरण के स्वरूपों का विश्लेषण करना है। विगत दस दशकों(*1901–2011*) में नगर की जनसंख्या लगभग *8* गुना बढ़ा है तथा नगरीय क्षेत्र का विस्तार तीव्र गति से होता जा रहा है गुप्ता, आर, (2016) यह शोध पत्र द्वितीयक आंकड़ो के विश्लेषण पर आधारित है, जिसके अंतर्गत विगत दस दशकों (*1901–1911*) का जनसंख्या विश्लेषण किया गया है। इसके अतिरिक्त नगरीय क्षेत्र (वार्ड स्तर) के अंतर्गत जनसंख्या वितरण का स्थानिक प्रतिरूपों का विश्लेषण किया गया है

eq[; “kCn % जनसँख्या गत्यात्मकता, शहरीकरण, जनसंख्या घनत्व, प्रवास

Hkwfedk

भौगोलिक अध्ययन में जनसंख्या को एक महत्वपूर्ण कारक स्वीकार किया जाता है। प्राकृतिक वातावरण का प्रयोग कर मनुष्य अपने शिक्षा, वैज्ञानिक प्रगति एवं तकनीकी कुशलता के आधार पर सांस्कृतिक वातावरण का निर्माण करता है। मनुष्य ही विभिन्न प्रकार के संसाधनों की खोजकर्ता, उत्खनन करता, परिष्कार करता, उससे विभिन्न प्रकार के वस्तुओं का निर्माण करता एवं उसका विनिमय एवं उपभोग करता है। इसलिए मनुष्य स्वयं ही एक बहुत बड़ा संसाधन है। मानव ही अधिवास के रूप में ग्रामीण

एवं शहरी अधिवासों का निर्माण, विकास, विस्तार और उसके वातारण का निर्माण करता है तथा उसे प्रभावित कर परिष्कार भी करता है। इस प्रकार जनसंख्या के बौद्धिक एवं वैज्ञानिक स्तर विभिन्न प्रकार के अधिवासों के जन्म, एवं विकास के लिए उत्तरदायी है। इसलिए किसी नगर क्षेत्र के अध्ययन हेतु जनसंख्या और उसकी विभिन्न विशेषताओं का निरूपण अपरिहार्य है।

शहरीकरण शहरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ती परस्पर निर्भरता, तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या और निरंतर बुनियादी ढाँचे व तकनीकी प्रगति का परिणाम है। यह विकासशील देशों के लिए एक गंभीर समस्या है, जो एक चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करती है। उत्तर प्रदेश में भारत की तुलना में अपेक्षाकृत कम शहरीकरण है, जहाँ शहरी जनसंख्या 21.78 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 31.16 प्रतिशत है Verma, D., Singh, A., & Verma, K. (2025)। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर यह शोध उत्तर प्रदेश के बस्ती नगरपालिका में क्षेत्रीय स्तर पर शहरी केंद्रों के जनसंख्या वितरण का समय और स्थान दोनों के आधार पर विश्लेषण करता है।

mís';

इस शोधपत्र का मुख्य उद्देश्य बस्ती नगरपालिका क्षेत्र की जनसंख्या गत्यात्मकता और वितरण के स्वरूप का विश्लेषण करना है। इस अध्ययन के माध्यम से निम्नलिखित बिंदुओं को समझने और स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है –

- विगत दस दशकों में बस्ती नगरपालिका की जनसंख्या में हुई वृद्धि की दर और प्रतिरूपों का अध्ययन करना। इसके साथ ही, दशकीय जनसंख्या वृद्धि के कारणों और प्रभावों को समझना।
- नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न भागों में जनसंख्या के वितरण का विश्लेषण करना। इसमें वार्ड स्तर पर जनसंख्या घनत्व और वितरण के प्रतिरूप को समझना शामिल है।
- जनसंख्या वृद्धि और वितरण के कारण नगरपालिका क्षेत्र के भौगोलिक और सामाजिक स्वरूप में जनांकिकीय विशेषताओं में आए बदलावों का अध्ययन करना।
- जनसंख्या वृद्धि और वितरण के आधार पर नगर क्षेत्र के विकास और प्रबंधन के लिए सुझाव देना।

'kk/k i)fr

मानव जनसंख्या के प्रभावी प्रबंधन और विकास के लिए जनसंख्या गतिशीलता का अध्ययन आवश्यक है। जनसंख्या गतिशीलता वह अध्ययन है जो समय के साथ जनसंख्या के आकार, घनत्व वितरण संरचना और संघटन में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करता है। Kushwaha, C., & Siddique, N. (2025) इस शोध पत्र में बस्ती नगर पालिका क्षेत्र की जनसंख्या गत्यात्मकता और वितरण का विश्लेषण करने के लिए द्वितीयक आंकड़ों का उपयोग किया गया है। शोध प्रक्रिया को व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से प्रस्तुत करने के लिए निम्न प्रक्रिया अपनाए गए हैं।

- अध्ययन के लिए उत्तर प्रदेश के बस्ती नगरपालिका क्षेत्र को चुना गया। यह क्षेत्र जनसंख्या वृद्धि और वितरण के संदर्भ में महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां पिछले दशकों में तीव्र जनसंख्या वृद्धि देखी गई है। शोध के लिए द्वितीयक आंकड़ों का उपयोग किया गया है जो विभिन्न दशकों के जनगणना रिपोर्ट (1901–2011) और उत्तर प्रदेश के जनगणना विभाग से प्राप्त किए गए है । आंकड़ों में जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या घनत्व, और जनसंख्या वितरण से संबंधित जानकारी शामिल है।

- प्राप्त आंकड़ों को सरलता से समझने के लिए विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है; जैसे दशकीय जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या घनत्व, और वार्ड स्तर पर जनसंख्या वितरण इत्यादि । इसके अलावा, पुरुष और महिला जनसंख्या का तुलनात्मक विश्लेषण भी किया गया। बस्ती नगरपालिका क्षेत्र के भौगोलिक स्वरूप का अध्ययन किया गया। इसमें क्षेत्रफल, जनसंख्या घनत्व, और जनसंख्या वितरण के प्रतिरूपों का विश्लेषण किया गया। इसके लिए मानचित्र और चार्ट का उपयोग किया गया।
- जनसंख्या वितरण के आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए बस्ती नगरपालिका को 25 वार्डों में वर्गीकृत किया गया। वार्डों को बहुत कम, कम, मध्यम, उच्च, और बहुत उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों में विभाजित किया गया।
- बस्ती नगर पालिका की जनसंख्या वृद्धि और वितरण की तुलना उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य शहरी क्षेत्रों से की गई। इससे यह समझने में मदद मिली कि बस्ती नगर की जनसंख्या वृद्धि अन्य क्षेत्रों की तुलना में कितनी भिन्न है। शोध के परिणामों को तालिकाओं, ग्राफ, और मानचित्रों के माध्यम से स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया। इससे जनसंख्या वृद्धि और वितरण के प्रतिरूप को समझने में आसानी हुई।

अंत में, शोध के निष्कर्षों में जनसंख्या वृद्धि और वितरण के कारणों और प्रभावों का विश्लेषण किया गया । साथ ही, नगर पालिका क्षेत्र के विकास और प्रबंधन के लिए सुझाव दिया गया। इस प्रकार, शोध पद्धति में आंकड़ों का संग्रह, वर्गीकरण, विश्लेषण, और प्रस्तुतीकरण को व्यवस्थित ढंग से शामिल किया गया, जिससे बस्ती नगर पालिका क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि और वितरण का व्यापक और सटीक अध्ययन संभव हो सका।

I kfgR; I eh{kk

बस्ती नगर पालिका क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि और वितरण का अध्ययन एक व्यापक और बहुआयामी विषय है, जो भौगोलिक, सामाजिक, और आर्थिक पहलुओं को समेटे हुए है। इस अध्ययन के लिए विभिन्न शोध, रिपोर्ट, और सांख्यिकीय आंकड़ों का उपयोग किया गया है। निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से साहित्य समीक्षा प्रस्तुत की गई है–

- जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण : भारत में शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि पर कई शोध हुए हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवास के कारणों और प्रभावों को उजागर करते हैं। बस्ती नगर में भी यही प्रवृत्ति देखी गई है, जहां रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में ग्रामीण आबादी का पलायन हुआ है। पिछले दशकों में, विशेष रूप से द्वितीय श्रेणी के नगरों में जनसंख्या वृद्धि तीव्र रही है। यह प्रवृत्ति भारत के शहरीकरण के व्यापक प्रतिरूप के अनुरूप है, जैसा कि विभिन्न जनगणना रिपोर्टों और शोध पत्रों में उल्लेखित है।
- भौगोलिक और सामाजिक प्रभाव : जनसंख्या वृद्धि के कारण शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी और आवासीय क्षेत्रों में भीड़भाड़ जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। बस्ती नगर में भी यही स्थिति देखी गई है। प्रकाश एवं कुमार ,(2024) ने बस्ती जिले में अनुसूचित जाति की सामाजिक आर्थिक भूदृश्य का विश्लेषण करते यह स्पष्ट किया गया है कि शहरीकरण के साथ–साथ जिले में बुनियादी ढांचे का विकास आवश्यक है, अन्यथा यह जीवन स्तर को प्रभावित करता है। इस संदर्भ में, बस्ती नगर का अध्ययन भारत के अन्य शहरी क्षेत्रों में देखी गई समस्याओं के समान है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, August 2025
Impact Factor: 7.67

- जनसंख्या वितरण का विश्लेषण : जनसंख्या वितरण का अध्ययन नगर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में जनसंख्या घनत्व और वितरण के प्रतिरूप को समझने में सहायक होता है। बस्ती नगर में, वार्ड स्तर पर जनसंख्या वितरण असमान है। साहित्य में यह उल्लेखित है कि शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या का असमान वितरण आर्थिक और भौगोलिक कारकों पर निर्भर करता है। बस्ती नगर में भी मध्य भाग में जनसंख्या घनत्व अधिक है, जबकि बाहरी क्षेत्रों में यह कम है। यह प्रवृत्ति अन्य शहरी क्षेत्रों में भी देखी गई है।
- लिंगानुपात और जनसंख्या संरचना : जनसंख्या संरचना और लिंगानुपात पर आधारित अध्ययन यह दर्शाते हैं कि शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी और सामाजिक स्थिति में सुधार हो रहा है। बस्ती नगर में महिला जनसंख्या की वृद्धि दर पुरुष जनसंख्या की तुलना में अधिक रही है। यह प्रवृत्ति भारत के शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सामाजिक बदलाव को दर्शाती है।
- तुलनात्मक अध्ययन : बस्ती नगर की जनसंख्या वृद्धि और वितरण की तुलना उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य शहरी क्षेत्रों से करने पर यह स्पष्ट हुआ कि नगर क्षेत्र की वृद्धि दर अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक रही है। हालांकि, बस्ती नगर में बुनियादी सुविधाओं का विकास जनसंख्या वृद्धि के अनुरूप नहीं हो पाया है। यह प्रवृत्ति भारत के अन्य द्वितीय श्रेणी के नगरों में भी देखी गई है।

साहित्य समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि बस्ती नगर की जनसंख्या वृद्धि और वितरण भारत के शहरीकरण के व्यापक प्रतिरूप का हिस्सा है। हालांकि, नगर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी और असमान जनसंख्या वितरण जैसी समस्याएं नगर के समग्र विकास में बाधा बन रही हैं। इस अध्ययन के निष्कर्ष अन्य शहरी क्षेत्रों में देखी गई प्रवृत्तियों के अनुरूप हैं और नगर क्षेत्र के विकास और प्रबंधन के लिए उपयोगी सुझाव प्रदान करते हैं।

fo'y'k.k ,o eY;kdu

यह ऐतिहासिक रूप से सिद्ध है विश्व के अन्य क्षेत्रों की तरह बस्ती नगर में भी जनसंख्या पहले विरल रही होगी। कालान्तर में चलकर क्रमशः उसमें वृद्धि हुई होगी। बस्ती नगर की वर्तमान जनसंख्या (2011) 1146657 है। जो 1901 में मात्र 14761 थी। वर्ष 1831 में यह एक कस्बा क्षेत्र के रूप में था और उसी वर्ष 1831 में यह गोरखपुर जनपद का एक तहसील मुख्यालय बना। तब यह अति छोटा सा एक कस्बा क्षेत्र था। Bhatnagar, P. (2016) उसके बाद से 1865 में गोरखपुर से अलग होकर बस्ती जिला (वर्तमान बस्ती, संतकबीर नगर एवं सिद्धार्थनगर सहित) बना जिसका यह नगर, मुख्यालय बना। जिला मुख्यालय बनने के बाद इस नगर की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि हुई और आज इसकी जनसंख्या 1146657 से अधिक है। वर्ष 1801 में यह नगर एक कस्बा था जिसका क्षेत्रफल लगभग 3.4 वर्ग कि0मी0 था। क्रमशः जनसंख्या बढ़ने पर वर्ष 1951 में यह नगरपालिका बना और इसका क्षेत्रफल बढ़कर 19.43 वर्ग किमी0 हो गया।

तलिका सं0 1 में बस्ती नगर की सन् 1901 से 2011 तक जनसंख्या तथा उसकी वृद्धि तथा वृद्धि दर प्रदर्शित किया गया है, जिससे स्पष्ट है कि 1901 में नगर की जनसंख्या जो 14761 थी। वह 1911 में 3314 व्यक्ति घट कर मात्र 11447 रह गया। इस प्रकार उक्त दशक में 22.45 प्रतिशत का ह्रास हुआ था। इसके पश्चात क्रमशः जनसंख्या में वृद्धि होती रही है। 1931 तक बस्ती नगर की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ी है। 1911 से 1921 के दशक में जनसंख्या में 6244 व्यक्ति की वृद्धि हुयी जो आज तक के वृद्धि का एक प्रतिमान (54.55 प्रतिशत) था। इसी प्रकार 1921 से 1931 के दशक में जनसंख्या 4835 व्यक्ति बढ़कर उस वर्ष कुल जनसंख्या 22526 हो गयी। इस अवधि में भी 27.33 प्रतिशत जनसंख्या वृद्धि अभिलेखित हुआ था। इस प्रकार सन् 1931 का

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 2, August 2025 Impact Factor: 7.67

दशक जनसंख्या के वृद्धि में एक मील का पत्थर स्थापित होता है। जब तक जनसंख्या की वृद्धि में तीव्रत्तर रही। इसके बाद जनसंख्या की वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम रहा है। केवल 1941–51 के दशक को छोड़कर, जब देश का विभाजन के परिणामस्वरूप अन्य नगरों की तरह इस नगर में भी विस्थापितों का आगमन और उनका बसाव इस नगर में हुआ। इस प्रकार उक्त दशक में 38.97 प्रतिशत की जनसंख्या में वृद्धि हुयी थी। जबकि उसके पूर्व दशक (1931–41) में यह वृद्धि मात्र 6.07 प्रतिशत थी। पुनः 1951–61 के दशक में जनसंख्या 5200 व्यक्ति की वृद्धि होकर बस्ती नगर की जनसंख्या 38403 हो गया। इस प्रकार इस अवधि में 15.66 प्रतिशत जनसंख्या की वृद्धि हुई। इसके बाद के दशकों में क्रमशः जनसंख्या अपेक्षाकृत अधिक तीव्र दर से बढ़ी है। 1961–71 के दशक में नगर की जनसंख्या में 11232 (29.23 प्रतिशत) की वृद्धि होकर जनसंख्या 49635 ;अर्द्धशतक हजार के पासद्ध पहुँच गया। 1971–81 में जनसंख्या में स्वतत्र्योत्तर काल का सर्वाधिक वृद्धि दर अभिलेखित किया गया, जब कुल जनसंख्या में 19722 व्यक्ति बढ़कर नगर की कुल जनसंख्या 69357 हो गयी अर्थात इस दशक में 39.7 प्रतिशत की वृद्धि अभिलेखित हुआ। इस दशक के बाद जनसंख्या का वृद्धि दर क्रमशः कम हाती गयी और इस प्रकार 1981–91 के दशक में (25. 87 प्रतिशत) 1991–2001 के दशक में (23.15 प्रतिशत) एवं 2001–11 में (6.56 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है। लेकिन निरपेक्ष वृद्धि को दृष्टिगत किया जाय तो 1991–2011 के बीच नगर की जनसंख्या में 20230 वृद्धि हुयी जबकि 2001–11 दशक में 27286 की सर्वाधिक वृद्धि हुई ;तालिका–1 एवं चित्र सं0–1) ।

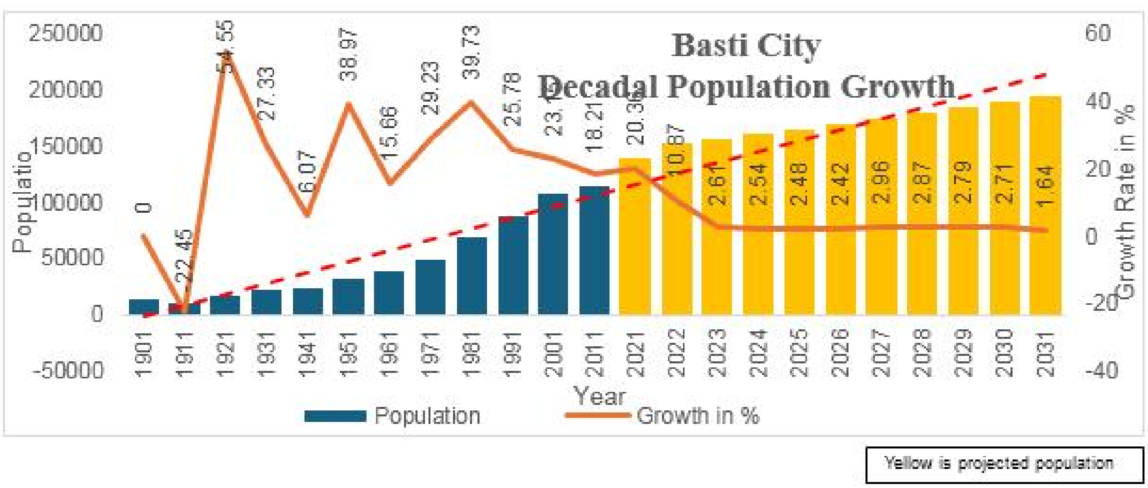

चित्र सं0–1 Source: Census Reports of Different Decades of U.P, Census of India)

चित्र संख्या 1 से विदित होता है कि 1911–21 में जनसंख्या में अभूतपूर्व वृद्धि अभिलेखित किया गया जो 1941 के दशक तक पुनः घटता रहा लेकिन 1941 से 1981 के बीच जनसंख्या की वृद्धि दर में उतार–चढ़ाव होता रहा और पुनः 1981 में अपने रिकार्ड स्तर पर पहुँच गया। उसके बाद 2011 तक क्रमशः वृद्धि दर में कमी आती रही है।

भारत के जनसंख्या अध्ययन संस्था ने बस्ती नगर की वर्ष 2021 में जनसंख्या का आकलन करने के साथ–साथ 2031 तक प्रत्येक वर्ष की जनसंख्या का आकलन किया है जो पूर्व तालिका 1 में प्रदर्शित है। जिससे स्पष्ट है कि 2021 में उन्होंने (20.38 प्रतिशत) की वृद्धि दर अनुमानित करते हुए नगर की कुल जनसंख्या 1 लाख 38 हजार अनुमानित किया है जबकि प्रतिवर्ष 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान करते हुए 2031 तक लगभग 2 लाख होने का अनुमान लगाया है। इस प्रकार यह नगर अभी भी क्रमशः जनसंख्या की वृद्धि करते हुए वृद्धिमान की श्रेणी में है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, August 2025
Impact Factor: 7.67

rkfydk& 1

cLrh uxj ¼ fofHkUu n'kdksa esa tula[;k ,oa of) nj 1901&2011

o’k	tula[;k	fujis{k of)	of) ¼izfr'kr esa½
1901	14761	.——	—
1911	11447	—3314	—22.45
1921	17691	6244	54.55
1931	22526	4835	27.33
1941	23893	1367	06.07
1951	33203	19677	38.97
1961	38403	5200	15.66
1971	49635	11232	29.23
1981	69357	19722	39.73
1991	87371	18014	25.78
2001	107601	20230	23.15
2011	114657	7056	6.56
2021	138000		20.36
2022	153000		10.87
2023	157000		2.61
2024	161000		2.54
2025	165000		2.48
2026	169000		2.42
2027	174000		2.96
2028	179000		2.87
2029	184000		2.79
2030	189000		2.71
2031	194000		1.64

Source: Census Reports of Different Decades of U.P, Census of India

जनसंख्या की वृद्धि दर निश्चित समयावधि के मध्य कुल जनसंख्या के संदर्भ में जनसंख्या वृद्धि के अनुपात को सूचित करता है जिससे जनसंख्या की वृद्धि का वास्तविक स्थिति का आभास होता है। प्रस्तुत अध्ययन में बस्ती नगर, उत्तर प्रदेश तथा भारत देश में नगरीय जनसंख्या की वृद्धि के तुलना हेतु तालिका 2 में सम्बन्धित क्षेत्रों की जनसंख्या की वृद्धि दर्शाया गया है, जिसे चित्र सं0 2 में प्रदर्शित किया गया है। बीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक 1901—1911 के मध्य बस्ती नगर की

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, August 2025
Impact Factor: 7.67

rkfydk& 2

cLrh uxj dh tula[;k of) dk rqyukRed v/;;u &

वर्ष	cLrh uxj		mRrj izns'k		lEiw.kZ Hkkjr	
	कुल जनसंख्या दस हजार में	वृद्धि दर प्रतिशत में	नगरीय जनसंख्या लाख में	वृद्धि दर प्रतिशत में	कुल नगरीय जनसंख्या करोड़ में	वृद्धि दर प्रतिशत में
1901	14761	--	5.3	_	2.59	_
1911	11447	-22.45	4.9	-8.87	2.59	0.35
1921	17691	54.55	4.9	0.041	2-81	8.27
1931	22526	27.33	5.5	12.81	3.35	19.11
1941	23893	06.07	7.0	26.46	4.42	31.97
1951	33203	38.97	8.6	22.86	6.24	41.42
1961	38403	15.66	9.4	9.84	7.89	26.41
1971	49635	29.23	12.3	30.75	10.91	38.23
1981	69357	39.73	19.8	60.62	15.95	46.41
1991	87371	25.78	25.9	30.52	21.72	36.19
2001	107601	23.15	34-5	33.23	28.61	31.72
2011	114657	6.56	44-5	28.82	37.71	31.2
Source: Census Reports of Different Decades of U.P, Census of India						

जनसंख्या वृद्धि में 2245 का ह्रास हुआ है, जबकि बस्ती जनपद में यह ह्रास मात्र 0.09 प्रतिशत था। अतः बस्ती नगर के जनसंख्या में सम्पूर्ण बस्ती जिले की अपेक्षा जनसंख्या का ह्रास अधिक था। नगरीय जनसंख्या में ह्रास का मुख्य कारण 1904 का दुर्भिक्ष तथा प्लेग जैसी बीमारी का प्रकोप था। इन तत्वों का प्रभाव सघन आबादी वाले नगरों में ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा बहुत अधिक था। इसी अवधि में उत्तर प्रदेश की नगरीय जनसंख्या में 8.87 प्रतिशत का ह्रास तथा देशों के नगरीय जनसंख्या में ह्रास की अपेक्षा न्यून (0.35 प्रतिशत) थी। इस प्रकार बस्ती नगर के जनसंख्या में जनपद, प्रदेश एवं राष्ट्र के जनसंख्या ह्रास की अपेक्षा अधिक ह्रास हुआ है। तालिका 2.1 एवं चित्र 2 से स्पष्ट होता है कि 1911—1921 के दशक में बस्ती नगर की जनसंख्या में 54.5 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। जबकि जनपद के नगरीय जनसंख्या मात्र 0.51 प्रतिशत की वृद्धि हुयी हैं वही दूसरी ओर उत्तर प्रदेश की नगरीय जनसंख्या में 0.04 प्रतिशत और भारत की नगरीय जनसंख्या में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुयी थी। अतः इस दशक में बस्ती नगर में जनसंख्या वृद्धि दर सर्वाधिक अभिलेखित हुआ है। इसी प्रकार 1921—1931 के मध्य बस्ती नगर की जनसंख्या वृद्धि 27.33 प्रतिशत थी। वहीं बस्ती जनपद की नगरीय जनसंख्या में 0.77 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी तरह इस दशक में उत्तर प्रदेश की नगरीय जनसंख्या में 12.81 प्रतिशत तथा भारत की नगरीय जनसंख्या में 19.11 की वृद्धि हुई।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 2, August 2025 Impact Factor: 7.67

बस्ती, उत्तर प्रदेश तथा भारत के नगरीय जनसंख्या में वद्धि ;1901—2011 तुलना में वृद्धि दर बहुत अधिक रही। वहीं 1931—1941 के मध्य बस्ती नगर की जनसंख्या जहाँ मात्र 0.7 प्रतिशत बढ़ी, वहीं उत्तर प्रदेश एवं सम्पूर्ण देश की नगरीय जनसंख्या में वृद्धि क्रमशः 26.46 प्रतिशत तथा 31.97 प्रतिशत रही है।

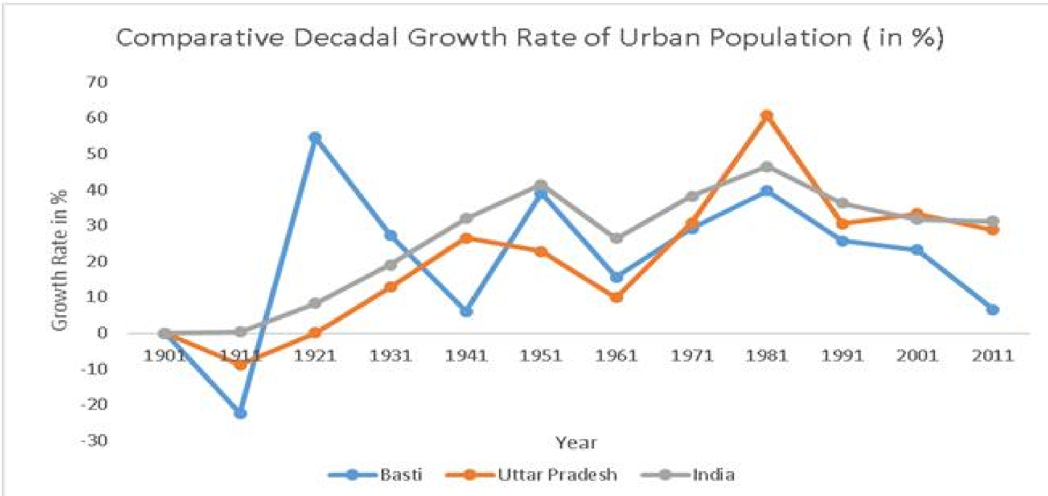

चित्र सं0—2 (Source: Census Reports of Different Decades of U.P, Census of India)

दशक 1941—1951 में बस्ती शहर की जनसंख्या अभूतपूर्व में वृद्धि हुई क्योंकि देश के विभाजन से विस्थापित नगर में आने और बसने के कारण ऐसा हुआ। इस अवधि में नगर की जनसंख्या में 38.97 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि जिले की जनसंख्या में 0.87 प्रतिशत की वृद्धि हुयी लेकिन प्रदेश के नगरीय जनसंख्या में 22.86 प्रतिशत तथा देश के नगरीय जनसंख्या में 41.24 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। दशक 1951—1961 में बस्ती नगर की जनसंख्या मात्र 15.66 प्रतिशत बढ़ी जबकि बस्ती जिले की जनसंख्या 1.76 प्रतिशत प्रदेश एवं देश की नगरीय जनसंख्या क्रमशः 9.84 प्रतिशत एवं 26.41 प्रतिशत बढ़ी। वर्ष 1961—1971 के दशक में भी बस्ती नगर की जनसंख्या 29.2 प्रतिशत बढ़ी जो प्रदेश एवं देश की नगरीय जनसंख्या की वृद्धि क्रमशः 30.75 प्रतिशत एवं 38.23 प्रतिशत से अपेक्षाकृत कम थी। ठीक इसी प्रकार वर्ष 1971—81 में बस्ती नगर की वृद्धि दर 39.73 प्रतिशत था जो प्रदेश की 60. 62 प्रतिशत और राष्ट्र की 46.41 प्रतिशत से कम रही। सन् 1981—1991 तथा 1991—2001 में भी लगभग यही प्रतिरूप विद्यमान रहा जो अगले दशक 2001—2011 में नगरीय जनसंख्या में वृद्धि प्रदेश एवं राष्ट्र की नगरीय जनसंख्या में वृद्धि की अपेक्षा कम हो गयी क्योंकि इस दशक में बस्ती नगर की जनसंख्या वृद्धि 6.56 प्रतिशत रहा जबकि प्रदेश की नगरीय जनसंख्या और राष्ट्र की नगरीय जनसंख्या वृद्धि क्रमशः 28.82 प्रतिशत एवं 31.2 प्रतिशत रहा है। इस प्रकार 1991—2011 के मध्य उत्तर प्रदेश और राष्ट्र की नगरीय जनसंख्या तुलना में बस्ती नगर की जनसंख्या कम वृद्धिमान रही है।

अतः बस्ती नगर की जनसंख्या का उत्तर प्रदेश एवं भारत के नगरीय जनसंख्या से तुलना करने पर यह स्पष्ट होता है कि 1931 तक बस्ती नगर की जनसंख्या वृद्धि प्रदेश एवं राष्ट्र की नगरीय जनसंख्या से बहुत अधिक रहा। लेकिन 1931 के बाद दशकों में बस्ती नगर की जनसंख्या वृद्धि उत्तर प्रदेश एवं भारत के नगरीय जनसंख्या की तुलना में कम रहा है।

कुल जनसंख्या, पुरुष एवं स्त्री जनसंख्या की दशकीय वृद्धिः स्त्री और पुरुष जनसंख्या में तुलनात्मक वृद्धि के अध्ययन की दृष्टिकोण से कुल जनसंख्या की वृद्धि दर तथा स्त्री—पुरुष जनसंख्या की वृद्धि दर से तुलना करने का प्रयास किया गया है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 2, August 2025 Impact Factor: 7.67

तालिका सं0 3 एवं चित्र सं0 3 में बस्ती नगर के कुल जनसंख्या तथा स्त्री तथा पुरुष जनसंख्या की वृद्धि दर को प्रदर्शित किया गया है।

rkfydk l0&3

cLrh uxj ¼ dqy tul[;k] i#'k ,o L=h tul[;k ,o n'kdh; of) nj 1901&2011

वर्ष	कुल जनसंख्या	वृद्धि :में	पुरुष जनसंख्या	वृद्धि :में	स्त्री जनसंख्या	वृद्धि :में
1901	14761	..	8350	..	6411	..
1911	11447	-22.45	6543	-21.64	4904	-23.51
1921	17691	54.5	10237	56.46	7554	54.04
1931	22526	27.33	13416	31.05	9110	20.60
1941	23893	06.07	13589	1.29	10304	13.11
1951	33203	38.97	19083	40.43	14120	37.03
1961	38403	15.66	21715	13.79	16688	18.19
1971	49635	29.23	27869	28.34	21766	30.43
1981	69357	39.73	37976	36.27	31381	44.17
1991	87371	25.78	47106	24.04	40265	28.31
2001	107601	23.15	57053	21.12	50548	25.54
2011	114657	6.56	60095	5.33	54562	7.94

तलिका सं0 2 एवं चित्र 3 से स्पष्ट होता है कि पुरुष जनसंख्या में वृद्धि सदैव कुल जनसंख्या की वृद्धि से कम रही है। विशेषकर 1901 से 1931 तक प्रत्येक दशक में पुरुष जनसंख्या की वृद्धि दर कुल जनसंख्या की वृद्धि दर सें अधिक रहा है। ठीक इसके विपरीत स्त्रियों की जनसंख्या में वृद्धि दर कुल जनसंख्या के वृद्धि दर से कम थी। लेकिन 1931 के बाद के दशकों में स्थिति पूर्णतः भिन्न हो गई जब प्रत्येक दशकों में पुरुष की जनसंख्या वृद्धि कुल जनसंख्या वृद्धि दर से कम हो गया और ठीक इसके विपरीत स्त्रियों की जनसंख्या कुल जनसंख्या वृद्धि दर से अधिक रही। केवल 1951 के दशक में यह स्थिति भिन्न दिखाई देती है जब पुरुषों की जनसंख्या वृद्धि दर कुल जनसंख्या वृद्धि दर से अधिक थी तथा स्त्रियों की जनसंख्या वृद्धि दर कुल जनसंख्या वृद्धि दर से कम हो गयी थी।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि बस्ती नगर में यद्यपि कि स्त्री जनसंख्या की अपेक्षा पुरुष जनसंख्या अधिक है जबकि स्त्रियों की जनसंख्या वृद्धि दर पुरुषों तथा कुल जनसंख्या वृद्धि दर से अधिक है जो इस बात का सूचक है कि इस क्षेत्र में बालिका भ्रूण हत्या के मामले अपेक्षाकृत कम है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, August 2025
Impact Factor: 7.67

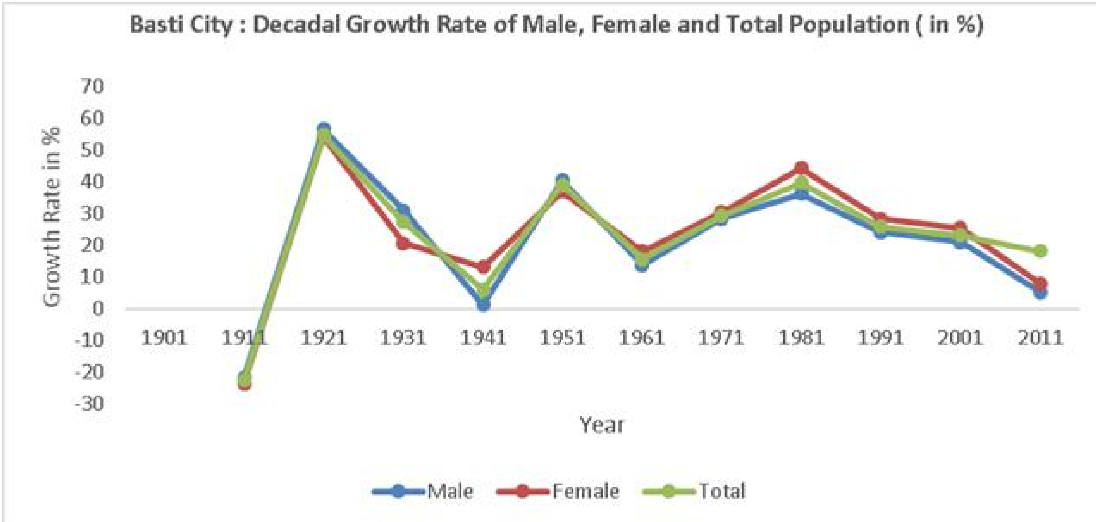

चित्र सं0– 3 (Source: Census Reports of Different Decades of U.P, Census of India)

tul[;k ?kuRo

जनसंख्या घनत्व का मापन कुल जनसंख्या की मात्रा एवं कुल भूमि क्षेत्र की इकाई के सम्बन्ध से होता है। जनसंख्या एंव प्रति इकाई भूमि के इसी अनुपात को ही जनसंख्या घनत्व कहा जाता है। किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या घनत्व उस क्षेत्र के भौगोलिक तथा सांस्कृतिक परिस्थितियों की अनुकूलता, सुविधाओं की उपलब्धता एवं सुरक्षा के मापनों पर निर्भर होता है। इसलिए जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में समतल धरातल, उपर्युक्त जलवायु, प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा, उपजाऊ मिट्टी, सिंचाई के साधनों की उपलब्धता, कृषि के उत्पादन की अनुकूल परिस्थितियाँ, प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता, औद्योगिकरण, नगरीकरण, परिवहन एवं संचार की उपलब्धता एवं गुणवत्ता तथा सुरक्षा आदि महत्वपूर्ण तत्व है।

बस्ती नगर की वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या 114657 थी जबकि उसका कुल क्षेत्रफल 19.43 वर्ग किमी0 है। इस प्रकार नगर का 2011 में जनसंख्या घनत्व 5901 प्रति वर्ग किमी0 है। जबकि 1901 में नगर का क्षेत्रफल मात्र 5.23 वर्ग किमी0 था और उस समय नगर की कुल जनसंख्या 14261 था। अतः 1901 में नगर की जनसंख्या घनत्व 2822 व्यक्ति/वर्ग किमी0 था।

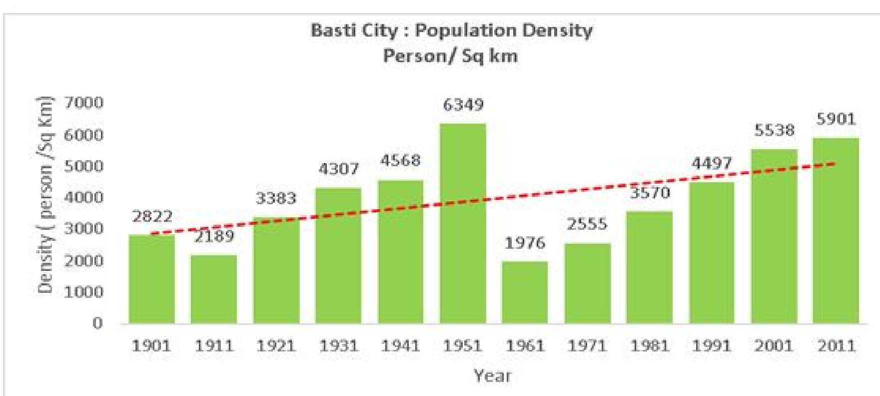

चित्र सं0– 4 (Source: Census Reports of Different Decades of U.P, Census of India)

इस प्रकार इस 110 वर्ष की अवधि में नगर की जनसंख्या का घनत्व में दोगुने की वृद्धि हुई है। बस्ती नगर में जनसंख्या का घनत्व वर्ष 1901 से 2011 तक तालिका संख्या 4 एवं चित्र सं0 4 में प्रदर्शित किया गया है।

rkfydk l0&4

cLrh uxj % tula[;k ?kuRo ¼1901&2011½

वर्ष	क्षेत्रफल (वर्ग किमी0)	जनसंख्या	जनसंख्या घनत्व प्रति किमी0
1901	5.23	14761	2822
1911	5.23	11447	2189
1921	5.23	17691	3383
1931	5.23	22526	4307
1941	5.23	23893	4568
1951	5.23	33203	6348
1961	19.43	38403	1976
1971	19.43	49635	2555
1981	19.43	69356	3570
1991	19.43	87371	4457
2001	19.43	107601	5538
2011	19.43	114657	5901

(Source: Census Reports of Different Decades of U.P, Census of India)

तलिका सं0–4 एवं चित्र सं0–4 से विदित होता है कि इस नगर की जनसंख्या घनत्व को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है। प्रथम 1901 से 1951 तक और दूसरा 1961 से 2011 तक क्योंकि 1961 में शहर के क्षेत्रफल में अभूतपूर्व वृद्धि हुई क्योंकि उस वर्ष शहर को नगरपालिका का स्तर प्राप्त हुआ जिसके कारण समीपवर्ती क्षेत्रों को नगर सीमा में सम्मिलित कर उसके क्षेत्रफल में चार गुने की वृद्धि हो गयी। विरल जनसंख्या वाले ग्रामीण क्षेत्रों को नगर सीमा में सम्मिलित करने के कारण नगर का क्षेत्रफल तो बढ़ गया लेकिन जनसंख्या घनत्व में कोई विशेष वृद्धि दर्ज नहीं की गयी। इसलिए 1901 से 1951 तक क्रमशः जनसंख्या का घनत्व बढ़ता रहा और 1951 में 6348 व्यक्ति/वर्ग किमी0 हो गया। जबकि 1961 में क्षेत्रफल बढ़ने के कारण जनसंख्या में 5200 की वृद्धि होने के बावजूद भी जनसंख्या का घनत्व घटकर मात्र 1976 व्यक्ति/वर्ग किमी0 रह गया।

1961 में क्षेत्रफल में हुई वृद्धि से नगर का क्षेत्रफल 19.43 वर्ग किमी0 हो गया जो आज भी यथावत बना हुआ है लेकिन जनसंख्या में सतत वृद्धि हो रही है इसलिए जनसंख्या घनत्व में क्रमशः वृद्धि हो रही है। इस प्रकार 2001 में जनसंख्या का घनत्व 5538 था जो अब 59.01 व्यक्ति/वर्ग किमी0 हो गया है। अतः 1961 से 2011 तक नगर के जनसंख्या घनत्व में तीन गुनी वृद्धि हुई है। जो नगर में उपलब्ध भूमि एवं नागरिक सुविधाओं पर बढ़ते तीव्र दबाव का द्योतक है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, August 2025
Impact Factor: 7.67

cLrh uxj esa tula[;k ?kuRo dk forj.k

किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या उस क्षेत्र की जनसंख्या वितरण एवं सघनता का मुख्य सूचक है। बस्ती नगर में जनसंख्या घनत्व के विवरण के विवेचना के लिए वर्ष 2011 के वार्ड के अनुसार जनसंख्या घनत्व की गणना कर चित्र संख्या 5 तथा तालिका संख्या 5 में प्रदर्शित किया गया है। मानचित्र से स्पष्ट है कि सघन जनसंख्या वाला क्षेत्र शहर के उत्तरी–पूर्वी से लेकर मध्यवर्ती भाग तक केन्द्रित है जबकि दक्षिण–पूर्वी भाग अभी भी निम्न जनसंख्या घनत्व वाला क्षेत्र है। दक्षिणी–पश्चिमी भाग में सिविल लाइंस तथा उत्तर प्रदेश बागवानी विभाग के विस्तृत बाग–बगीचे, कृषि क्षेत्र, पार्क एवं अधिकारियों के आवास होने के कारण इस क्षेत्र की जनसंख्या अभी भी विरल है। इसी प्रकार उत्तरी–पूर्वी उपांत क्षेत्रों में भी जनसंख्या का घनत्व अपेक्षाकृत कम है।

यह तत्व चित्र संख्या 6 से और भी स्पष्ट हो जाता है जिसमें जनसंख्या के वितरण को बिन्दु विधि से प्रदशित किया गया है, कि नगर के आंतरिक भाग में जनसंख्या का घनत्व विशेष रूप रेलवे स्टेशन से कंपनी बाग तक की मुख्य सड़क के किनारे जनसंख्या का संकेन्द्रण बहुत अधिक है।

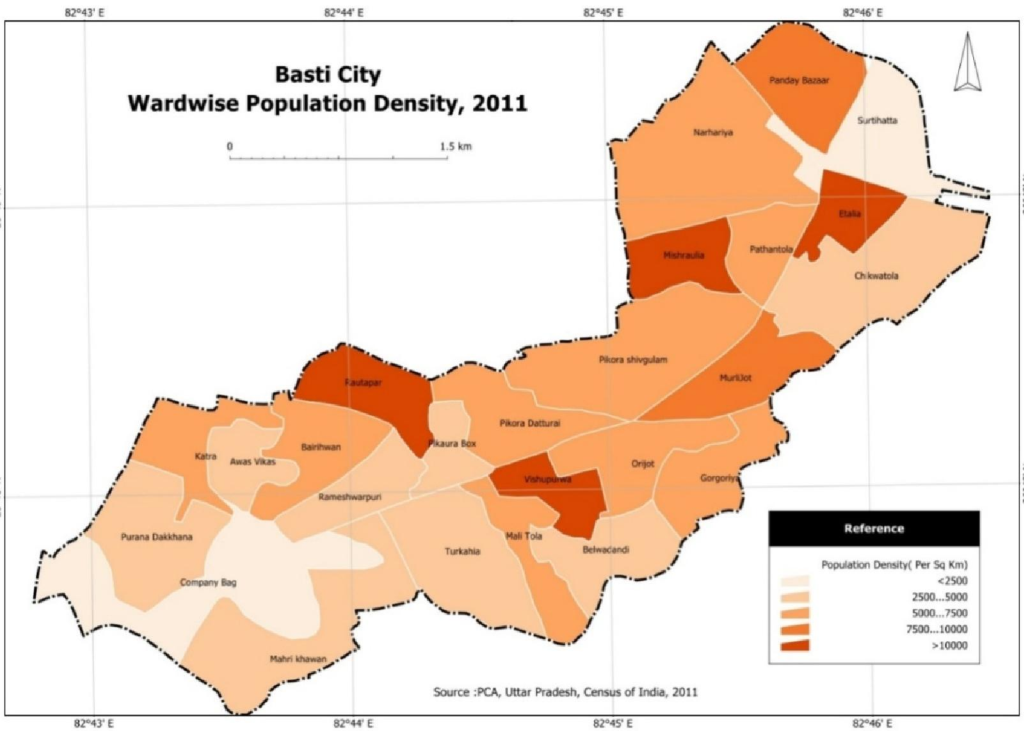

मानचित्र सं0– 5 (Source: PCA of U.P,2011 Census of India)

जबकि उसके दोनों ओर जनसंख्या धीरे–धीरे कम होती जा रही है। शहरी क्षेत्रो में खाली जगह अभी भी पर्याप्त उपलब्ध है। इसलिए लोग उन क्षेत्रों में धीरे–धीरे बस रहे हैं। जहां आज भी जनसंख्या अपेक्षाकृत कम है। इसलिए उन क्षेत्रो में भूमि संसाधन पर जनसंख्या का दबाव अपेक्षाकृत कम है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, August 2025
Impact Factor: 7.67

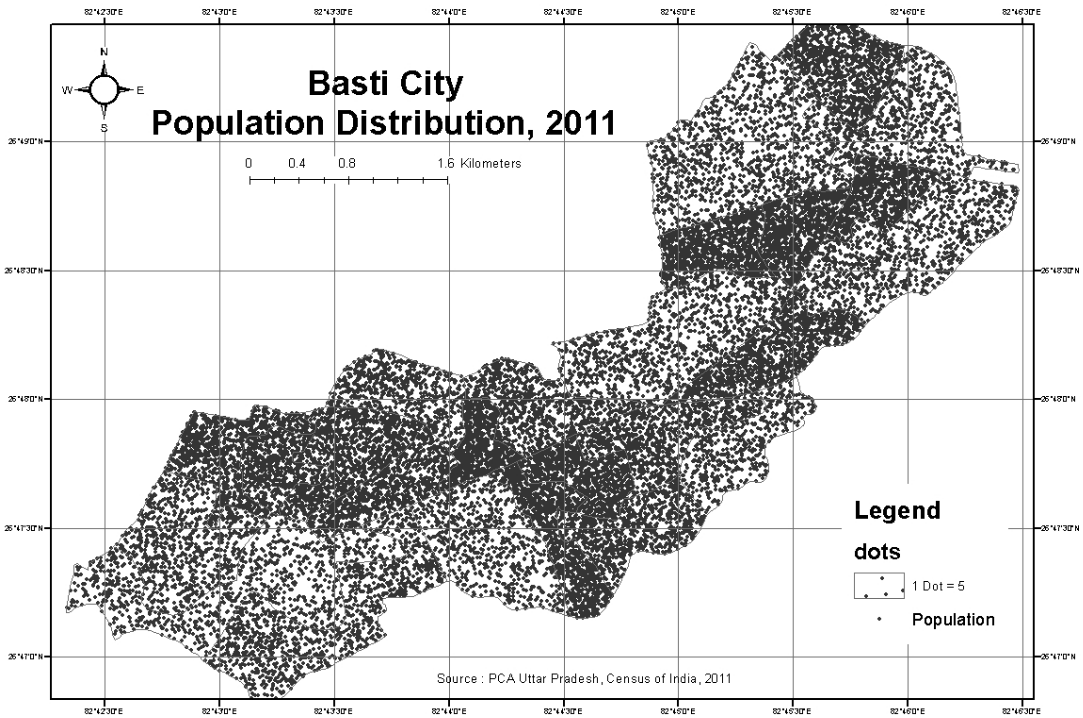

चित्र सं0– 6 (Source: PCA of U.P,2011 Census of India)

बस्ती नगर के जनसंख्या की सघनता के आधार पर शहर के सभी 25 वार्डों को 5 भिन्न–भिन्न जनसंख्या सघनता वाले वर्गों में विभाजित किया गया है जिसका प्रदर्शन तालिका संख्या 5 में किया गया है जिसका विवरण निम्नवत है–

rkfydk l0&5

cLrh uxj % tul[;k ?kuRo d vuqlkj वार्डों dk forj.k&2011

क्र0सं0	जनसंख्या घनत्व	वार्ड का नाम	कुल वार्ड
1	अति निम्न जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र (2500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 से कम)	सुर्ती हट्टा, कम्पनीबाग	2
2	निम्न जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र (2500–5000 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0)	पिकौरा बाक्स, आवास विकास, बेलवाडाड़ी, महरीखावा, रामेश्वरीपुरी, तुर्कहिया, पुराना डाकखाना, चिकवा टोला	8
3	मध्यम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र (5000–7500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0)	नरहरिया, पिकोरा बाजार, शिवगुलाम, बैरहवा, कटरा, ओरीजोत, गड़गोड़िया, मालीटोला, पिकोरा दत्तराम, पठान टोला,	9
4	उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र (7500 से 10000 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0)	मुरली जोत, पाण्डेय बाजार	2

IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 2, August 2025 Impact Factor: 7.67

5	अति उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र (1000 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक)	मिश्रौलियां विशनुपुरवा, रौतापार, इटलिया	4

(Source: PCA of U.P,2011 Census of India)

1. अति निम्न जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र – इस संवर्ग में 2500 व्यक्ति/वर्ग किमी0 से कम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों को वर्गीकृत किया गया है। इस संवर्ग में बस्ती नगर के मात्र दो वार्ड सुर्तीहट्टा और कम्पनी बाग सम्मिलित हैं।ये दोनों ही क्षेत्र नगर के सुदूर उत्तर–पूर्वी तथा दक्षिण–पश्चिमी भाग में स्थित है। सुर्तीहट्टा में रेलवे लाइंस, रेलवे स्टेशन चीनी मिल क्षेत्र स्थित है। इसलिए अपेक्षाकृत जनसंख्या घनत्व कम है। जबकि कम्पनी बाग क्षेत्र का अधिकांश भाग उत्तर प्रदेश बागवानी विभाग द्वारा बाग–बगीचे, कृषि एवं फलदार वृक्ष युक्त है। इसलिए यह क्षेत्र जनसंख्या में विरल है।
2. निम्न जनसंख्या घनत्व वाला क्षेत्र – इस संवर्ग के अन्तर्गत 2500–5000 व्यक्ति/वर्ग किमी0 जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों को रखा गया है। इस संवर्ग में कुल आठ वार्ड आते है। ये वार्ड भी सामान्यतः शहर के दक्षिणी–पश्चिमी भाग में ही अवस्थित है। जिसमें खुले क्षेत्र अपेक्षाकृत अधिक है और मानव बसाव कम है। इस संवर्ग में आने वाले वार्ड आवास विकास, रामेश्वरपुरी, पुराना डाकखाना, महरीखाँवा, चिकवा टोला, तुर्कहिया, पिकोरा बख्स आदि सम्मिलित है जो सामान्यतः विरल जनसंख्या वाले है।
3. मध्यम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र – इस संवर्ग में 5000–7500 व्यक्ति/वर्ग किमी0 जनसंख्या घनत्व क्षेत्र को सम्मिलित किया गया है। तालिकासं0–5 से स्पष्ट है कि इसमें बस्ती नगर के कुल 9 वार्ड सम्मिलित है जो सामान्यतः निम्न जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र से सटे हुए है। ऐसे वार्डो में नरहरिया, पिकोरा शिवगुलाम, बैरिहवा, कटरा, ओरीजोत गड़गोड़िया, माली टोला, पठानटोला, पिकोरा दतुराय सम्मिलित है। ये सभी वार्ड रेलवे स्टेशन से कम्पनी बाग जाने वाली मुख्य मार्ग के दोनों ओर शहर के मध्यवर्ती भाग में स्थित है यह क्षेत्र सघन जनसंख्या के साथ–साथ उच्च वाणिज्यिक केन्द्र होने के कारण अति सघन बसाव वाले है।
4. उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र – इस संवर्ग के अन्तर्गत 7500–10000 व्यक्ति/वर्ग किमी0 जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया हैं। इस संवर्ग में मात्र दो वार्ड मुरलीजोत और पाण्डेय बाजर सम्मिलित है। मुरलीजोत वार्ड, रेलवे स्टेशन से बसस्टेशन को आने वाली मुख्य सड़क के दक्षिण स्थित है। वहीं पाण्डेय बाजार उत्तरी–पूर्वी भाग में स्टेशन के पास स्थित है जो व्यावसायिक केन्द्र होने के कारण अति सघन बसा हुआ है।
5. अति उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र – इस संवर्ग के अन्तर्गत 10,000 से अधिक व्यक्ति/वर्ग किमी0 घनत्व वाले क्षेत्र आते है जिसमें मिश्रौलिया, विशनुपुरावा, रौतापार और इटलिया चार वार्ड सम्मिलित है। ये सब चारों वार्ड में सघन आबादी का मुख्य कारण मुख्य सड़क मालवीय रोड एवं गाँधी मार्ग पर बसा होने के साथ–साथ उच्च व्यावसायिक एवं आवासीय क्षेत्र है।

fu"d"k

उपर्युक्त विश्लेषण से बस्ती नगरपालिका की जनसंख्या से संबन्धित निम्नलिखित निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं:

- बस्ती नगर की जनसंख्या में पिछले दशकों में तीव्र वृद्धि देखी गई है। 1901 में नगर की जनसंख्या 14761 थी, जो 2011 में बढ़कर 114657 हो गई। यह लगभग आठ गुना वृद्धि दर्शाता है। दशकीय वृद्धि दर में उतार–चढ़ाव देखा गया, जिसमें 1951.61 और 1971.81 के दशकों में वृद्धि दर अधिक रही। हालांकि, 2001.2011 के दशक में वृद्धि दर में कमी आई, जो नगर क्षेत्र में जनसंख्या स्थिरता की ओर संकेत करता है।

- नगर क्षेत्र में जनसंख्या का वितरण असमान है। वार्ड स्तर पर जनसंख्या घनत्व में भिन्नता पाई गई। नगर का मध्यवर्ती भाग जनसंख्या की दृष्टिकोण से अति सघन बसा हुआ है, जबकि उपांत उत्तरी–पूर्वी एवं दक्षिण–पश्चिमी भाग विरल जनसंख्या घनत्व वाले है। यह तथ्य बिन्दु विधि से जनसंख्या के वितरण मानचित्र संख्या 6 से भी स्पष्ट होता है कि पूरा मध्यवर्ती भाग रेलवे स्टेशन से बस स्टेशन से और बस स्टेशन से कम्पनी बाग (गाँधी मार्ग) और बस स्टेशन से राष्ट्रीय राजमार्ग 28 को बड़े वन को मिलने वाली सड़क ;मालवीय सड़कद्ध से संलगन क्षेत्र उपयुक्त परिवहन, व्यावसायिक और प्रशासनिक कार्यालय होने के कारण बहुत ही सघन बसा हुआ है जबकि उत्तर–पूर्वी और दक्षिण–पश्चिमी भाग अति विरल है।
- जनसंख्या वृद्धि के कारण नगर क्षेत्र के भौगोलिक स्वरूप में बदलाव आया है। नगर का क्षेत्रफल बढ़ा है, लेकिन जनसंख्या घनत्व में भी वृद्धि हुई है। इससे आवासीय क्षेत्रों में भीड़भाड़ और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। सामाजिक स्तर पर, जनसंख्या वृद्धि ने जीवन स्तर को प्रभावित किया है, जिससे स्थानीय प्रशासन के लिए चुनौतियां बढ़ी हैं।
- अध्ययन में पुरुष और महिला जनसंख्या के बीच असमानता देखी गई। हालांकि, महिला जनसंख्या की वृद्धि दर पुरुष जनसंख्या की तुलना में अधिक रही है। यह नगर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और सामाजिक स्थिति में सुधार का संकेत देता है।
- बस्ती नगर की जनसंख्या वृद्धि और वितरण की तुलना उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य शहरी क्षेत्रों से करने पर यह स्पष्ट हुआ कि नगर क्षेत्र की वृद्धि दर अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक रही है। हालांकि, बस्ती नगर में बुनियादी सुविधाओं का विकास जनसंख्या वृद्धि के अनुरूप नहीं हो पाया है।
- जनसंख्या वृद्धि और वितरण के आधार पर नगर क्षेत्र के विकास और प्रबंधन के लिए कई सिफारिशें दी गई हैं। इनमें आवासीय क्षेत्रों का पुनर्गठन, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, और जनसंख्या नियंत्रण के उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, नगर क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और सामाजिक सेवाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

अतः बस्ती नगर पालिका क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि और वितरण ने नगर के भौगोलिक, सामाजिक, और आर्थिक स्वरूप को गहराई से प्रभावित किया है। जनसंख्या वृद्धि ने नगर क्षेत्र के विकास को गति दी है, लेकिन इसके साथ ही कई चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं। बुनियादी सुविधाओं की कमी, आवासीय क्षेत्रों में भीड़भाड़, और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं नगर क्षेत्र के समग्र विकास में बाधा बन रही हैं। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि नगर क्षेत्र के विकास और प्रबंधन के लिए जनसंख्या वृद्धि और वितरण के प्रतिरूप को समझना अत्यंत आवश्यक है। स्थानीय प्रशासन को इन निष्कर्षों के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना चाहिए, ताकि नगर क्षेत्र का संतुलित और समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

lanHkZ lwph

[1]. Vishal, P., & Kumar, P. (2024). Spatial Analysis of Population Landscape: A Case Study of Scheduled Caste Population in Basti District. RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary. https://doi.org/10.31305/rrijm.2024.v09.n07.005.

[2]. Gupta, R. (2016). District Census Handbook, Basti, Part XIII-A, Series-22, Uttar Pradesh. .

[3]. Bhatnagar, P. (2016). District Census Handbook, 46-Basti, Uttar Pradesh.

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, August 2025
Impact Factor: 7.67

[4]. Kushwaha, C., & Siddique, N. (2025). Spatio-Temporal Clustered Analysis Of Population Dynamics: A Tahsil-Level Case Study Of Deoria District, Uttar Pradesh. International Journal For Multidisciplinary Research. https://doi.org/10.36948/ijfmr.2025.v07i01.36343.

[5]. Verma, D., Singh, A., & Verma, K. (2025). Exploring Urbanisation and Population Dynamics in Prayagraj District (UP), India:Spatial and Temporal Patterns. International Journal For Multidisciplinary Research. https://doi.org/10.36948/ijfmr.2025.v07i02.38401.